लाखों महीने की कमाई, फिर भी असमंजस का माहौल

नर्सिंग स्टाफ को विदेशों में मिलेगी तीन लाख रुपए प्रतिमाह की नौकरी

भिवानी, 18 अक्तूबर (अनुज राणा) : अभी तक यह एक सपना था कि विदेशों में किसी को नौकरी मिल जाएगी और लाखों रुपए कमा लिए जाएंगे। सपना सच करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लगभग इस सच्चाई के परिणाम एक साल बाद सामने आएंगे।

विदेशों में युवाओं को भेजने की तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं, शिविर लगाए जा रहे हैं, लेकिन युवा वर्ग में विदेशों में जाने के नाम पर खासतौर पर नर्सिंग स्टाफ से जुड़ी छात्राओं में असमंजस का सा माहौल है। हालांकि जितनी आय किसी भी नर्सिंग स्टाफ को सरकारी नौकरी में तीन साल में जाकर होगी, उतनी आय तो केवल एक माह में ही विदेशों में नौकरी के दौरान हो जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार विदेशों में लगभग एक दर्जन विकसित देश ऐसे हैं, जहां पर भारतीय नर्सिंग स्टाफ को प्रशंसा की दृष्टि से देखा जाता है।

यही नहीं भारतीय परिवेश के अनुसार विदेशों में नर्सिंग स्टाफ की स्थिति बिलकुल उलट है। भारत में जहां नर्सिंग स्टाफ को सीनियर डाक्टर गाइड करते हैं, वहीं विदेशों में व्यवहारिक तौर पर सिस्टर की भूमिका में रहने वाली नर्स डाक्टर को प्रतिदिन दैनिक कार्यों में गाइड करती है। रोजगार ब्यूरो की बात मानें तो प्रशिक्षण शिविर में एक साल की अवधि पूरा होने के बाद जांचे-परखे गए संस्थानों में नर्सों को जोब उपलब्ध करवाई जाएगी।

यही नहीं जैसे ही यह स्टाफ जोब अटैंड करेगा, उन्हें तुरंत ग्रीन कार्ड मिल जाएगा। विदेशी रोजगार ब्यूरो नर्सिंग स्टाफ की सुरक्षा के प्रति विदेशों में पूरी तरह आश्वस्त है। आंकड़ों के अनुसार प्रथम माह में ही छह हजार डालर की तनख्वाह नर्सिंग स्टाफ के एक सदस्य को मिलेगी। भारतीय रुपयों में यह लगभग तीन लाख रुपए की रकम होगी। बताया जाता है कि नर्सिंग स्टाफ के लिए भारत में नौकरी करने के दौरान इतनी रकम लगभग तीन साल में जाकर कमाई जाने की संभावना होती है। विदेशों में नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी एक सप्ताह में केवल चालीस घंटे होगी। यदि इसके अलावा नर्सिंग स्टाफ ड्यूटी करता है तो वह ओवर टाइम का हकदार हो जाता है। इसके बाद प्रतिमाह होने वाली कमाई तीन लाख से पांच लाख के बीच हो जाती है। सम्मान, सुरक्षा, विकास ये ऐसे शब्द हैं, जो भारत की बजाय विदेशों में ज्यादा कारगर सिद्ध होते हैं। ऐसा ब्यूरो के दावे बताते हैं। यही नहीं नर्सिंग स्टाफ की सदस्या यदि अविवाहित हैं तो उन पर डिपैंड माता-पिता विदेश जा सकते हैं, लेकिन विवाहिता स्टाफ के पति व बच्चे ही परिवार के सदस्यों में विदेश जाएंगे।

खास खबर

विदेश जाने का कम से कम कांट्रैक्ट तीन वर्ष का होगा : शर्मा

भिवानी। विदेशी रोजगार ब्यूरो द्वारा नर्सिंग स्टाफ को विदेशों में जोब दिलवाने के विषय पर कार्यकारी अधिकारी अशोक शर्मा से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि यह एक बेहतर अवसर है।

उन्होंने बताया कि विदेशों में कम से कम तीन वर्ष के अनुबंध के आधार पर नर्सिंग स्टाफ को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि समय-समय पर स्टाफ की सुरक्षा के बारे में सर्चिंग होगी। अशोक शर्मा के अनुसार इस दौरान मिलने वाली छुट्टियों में नर्सिंग स्टाफ वापस भारत में अपने परिजनों से मिलने आ सकता है। यही नहीं कई अन्य और सुविधाएं भी वहां पर स्थित हैं।

नर्सों का विदेशों में सम्मानजनक स्थान : शर्मा

भिवानी, 18 अक्तूबर (ब्यूरो) : यहां सामान्य अस्पताल में स्थित नर्सिंग होस्टल के हाल में विदेशी रोजगार ब्यूरो के तत्वावधान में रोजगार कार्यालय द्वारा नर्सिंग स्टाफ को प्रशिक्षण देने के लिए एक वर्कशाप का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर विदेशी रोजगार ब्यूरो पंचकूला से कार्यकारी अधिकारी अशोक शर्मा, मोदी कम्पनी के अजय जैन, भिवानी रोजगार कार्यालय से सहायक रोजगार अधिकारी डा. ललिता महतानी समेत कई लोग मौजूद थे। नर्सिंग की छात्राओं को संबोधित करते हुए ब्यूरो के कार्यकारी अधिकारी अशोक शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करवाया जाए।

राज्य के युवाओं की भलाई के लिए सरकार प्रगतिशील कदम उठा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व वित्तमंत्री बीरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में युवा छात्र-छात्राओं को बेहतर ट्रेनिंग देकर विदेशों में ठगों के चंगुल से बचाने के लिए रास्ते प्रशस्त किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में उच्च शिक्षा तथा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के सहयोग से ऋण प्राप्ति की सुविधा हेतु मार्गदर्शन का प्रबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी चरण में विदेशों द्वारा नर्सिंग स्टाफ की भारी मांग को देखते हुए खासतौर पर अमरीका में नर्सों को नौकरी दिलवाने के लिए प्रथम

विदेशी रोजगार ब्यूरो के कार्यकारी अधिकारी अशोक शर्मा भिवानी नर्सिंग होस्टल में वर्कशाप में शामिल छात्राओं को संबोधित करते हुए। .... ब्यूरो

चरण में वर्कशाप लगाई जा रही है। इन वर्कशाप में नर्सिंग छात्राओं से विदेश जाने के लिए उनके विचार लिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसके बाद सभी जिला रोजगार मंडल अधिकारियों को पत्र लिखकर सी.एम.ओ. के माध्यम से नर्सों की सूची भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया में सरकारी, प्राइवेट व डिप्लोमा कर रही प्रशिक्षु नर्सों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि भिवानी, हिसार, यमुनानगर, फरीदाबाद, करनाल में ये वर्कशाप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लगभग एक साल के प्रशिक्षण के दौरान नर्सों को अंग्रेजी, कम्प्यूटर ज्ञान व जिस देश में उनकी नियुक्ति होनी है, का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद, पंचकुला व भिवानी को ट्रेनिंग केंद्रों के नाम पर अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह सारी प्रक्रिया मोदी कम्पनी के माध्यम से आगे बढ़ाई जाएगी।

विदेशी रोजगार ब्यूरो ने नर्सों के प्रशिक्षण के लिए वर्कशाप लगाई

उन्होंने बताया कि यदि विदेश में नौकरी अथवा शिक्षा के प्रति कोई युवा इच्छुक है तो जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर योगिनी शर्मा, माधुरी शर्मा, सविता भाटिया भी मौजूद थे।